



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

मा० ४१  
३१/२५५

सं० ४१] नवे दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ९, १९९९ (आश्विन १७, १९२१)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 9, 1999 (ASVINA 17, 1921)

इस पात्र में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखर जा सके।  
(Separate paging is given to this Part to order that it may be filed as a separate compilation)

### पात्र III—खण्ड ४ (PART III—SECTION 4)

कानूनिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ, जिसमें कि जारेत, विज्ञापन और घूमावद सम्बंधित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिवासन और विकास विभाग

विषय व्यापार केन्द्र, सेंटर १

कफ परेंट, कोलाहा

मुम्बई-400005, दिनांक 25 सितम्बर 1999

अधिकारी सं. लाइंसेन्स 817/23-13-022/99-2000  
—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 की 2) की भारा 42 की उपधारा (6) के खंड (स) के अन्तर्गत मै भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निवेश दर्ता है कि उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची से निम्नलिखित का नाम निकाल दिया जाए।  
“दि ब्रिटिश बैंक आफ दि मिडिल इंस्ट”

जी. पी. मैनमन्न  
कार्यपालक निदेशक

इण्डियन ओवरसीज बैंक

कार्मिक प्रशासन विभाग

केन्द्रीय कार्यालय, 763, अण्णा सालै  
चैम्बर्स-600002, दिनांक 09, सितम्बर 1999

मं० का० प्र० वि० पर्य० १७७—बैंककारी कम्पनी (उप-क्रमों का अधिग्रहण एवं अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 12 की उप धारा (2) के साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रदत्त शब्दों का प्रयोग करते हुए इण्डियन ओवरसीज बैंक का निदेशक मण्डल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, एतद्वारा इण्डियन ओवरसीज बैंक (अधिकारी) मेंका विनियम 1979 में और मंगोधा करते के लिये निम्नविवित विनियम बनाता है, अर्थात् :

1. (1) ये विनियम इण्डियन ओवरसीज बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम 1999 कहलायेंगे।

(2) या विनियमों में नामा आयेगा। ये अधिकारी मरकारी गतिविधि में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. इण्डियन ओपरेटर्सी नेट बैंक (अधिकारी) मेंवा विनियम 1979 में,

(क) विनियम 12 में, उप-विनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप विनियम अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

(4) किसी भी अधिकारी को,

(क) जिसने उप विनियम (1) में मन्त्रित विनियम का प्रयोग किया था; और

(ख) जिसने पहली अप्रैल, 1984 के पश्चात् भी नियन्त्रित सारीख के तत्काल पूर्व अपने लिए प्रयोज्य वेतन और भत्ते प्राप्त करना जारी रखा था; और

(ग) जो पहली अप्रैल, 1997 को या उसके पश्चात् बैंक की नियमित सेवा में है, उसे

पहली अप्रैल, 1997 को या उसके बाद से, इन विनियमों के अधीन लागू वेतन एवं भत्तों के लिये विकल्प देने की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे विकल्प का प्रयोग करने पर उसके वेतन का नियन्त्रित इस रीति से किया जायेगा कि 01-04-1997 को उस पर देय महंगाई भत्ता उप-विनियम (2) के अनुसार उसके द्वारा 31-3-1997 तक आहरित उसके मौजूदा वेतन (अर्थात् वेतन तंत्र मेंहंगाई अंतर) के निरुद्दर्शन हो।

(ब) विनियम 23 में,

(i) उप-विनियम (iii) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु पहली अप्रैल, 1997 को और उसके बाद से, इस उप-विनियम के प्रावधान इस प्रकार लागू होंगे मानो अक्षर, अंक और शब्द “रु० 40 प्र० मा० या रु० 25” प्र० मा० के लिये क्रमगत: अक्षर, अंक और शब्द “रु० 125 प्र० मा० या रु० 100 प्र० मा० ह क्रमशः” प्रतिस्थापित कर दिये गये थे;

(ii) उप विनियम (iv) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु पहली अप्रैल, 1997 को और उसके बाद से, इस उप-विनियम के प्रावधान इस प्रकार लागू होंगे मानो अक्षर और अंक “रु० 150 प्र० मा०”, के लिये अक्षर, अंक और शब्द रु० 300 प्रतिमाह प्रतिस्थापित कर दिये गये थे।

(iii) उप-विनियम (v) में, दूसरे परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु पहली अप्रैल, 1997 को या उसके बाद से, इस उप-विनियम के पासवार इस प्रकार लागू होंगे मानो—

(क) अक्षर और अंक “रु० 700” के लिये, अक्षर और अंक “रु० 1,000” प्रतिस्थापित कर दिये गये थे;

(ख) पहले तथा दूसरे परन्तुक में दोनों स्थानों पर आने वाले अक्षर और अंक “रु० 350” क्रमगत: अक्षर और अंक “रु० 500” में प्रतिस्थापित कर दिये गये थे;

(iv) उप विनियम (vii) पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु वित्तीय वर्ष 1997-98 को और उसके बाद से, उप-विनियम के प्रावधान इस प्रकार लागू होंगे मानो अक्षर और अंक “रु० 35 प्र० मा०” के लिये क्रमगत: अक्षर, अंक और शब्द “रु० 70” प्र० मा० प्रतिस्थापित कर दिये गये थे;

(v) उप-विनियम (viii) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु पहली अप्रैल, 1997 को और उसके बाद से, इस उप-विनियम के उपर्यन्त इस प्रकार लागू होंगे मानो अक्षर और अंक “रु० 35 प्र० मा०” के लिये क्रमगत: अक्षर, अंक और शब्द “रु० 70” प्र० मा० प्रतिस्थापित कर दिये गये थे;

(g) विनियम 32 में, उप-विनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘परन्तु वर्ष 1997 में या किसी अनुवर्ती वर्ष में न ली गई आकस्मिक छुट्टी आमामी नीन वर्षी में बीमारी छुट्टी के साथ बाद से या पहले जोड़ी जा सकती है;

(घ) विनियम 42 में, —

(i) उप-विनियम 2 (i) में, शब्द और अंक “01-07-1993” को और उसके बाद से के लिये, शब्द और अंक 01-07-1993 को और उसके बाद में परन्तु 01-04-1997 से पूर्व प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ii) उप-विनियम 2 (i) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अन्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्—

‘2 (i) (क) पहली अप्रैल, 1997 को और उसके बाद से, स्थानान्तरित किसी अधिकारी को माल-गाही से अपने सामान के परिवहन के लिये निम्नलिखित सीमाओं के अनुमान प्रतिपूर्ण की जायेगी

वेतन-सीमा

परिवार-संहित परिवार-रहित

कर्मचारी राज्य बीमा नियम

रु० 4250/-प्रतिमाह से 3000 किलोग्राम 1500 किलोग्राम  
रु० 6210/- प्रतिमाह

रु० 6211/- प्रतिमाह पुरा माल छिक्का 2000 किलोग्राम  
और उसमें अधिक

(iii) उप-विनियम (3) में, शब्द और अंक '01-01-1987 को और उसके बाद और अंक '01-01-1987 को और उसके बाद से परन्तु 01-04-1997 से पूर्व' प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(iv) उप-विनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अन्वयित किया जायेगा:—

उ(क) "तहसील अप्रैल, 1997 को और उसके बाद से, स्थानान्तरित कोई अधिकारी सामान की नीकिंग, स्थानीय परिवहन और उसके बीमे आदि के लिये निम्नानुसार एकमुक्त राशि पात्र का पात्र होगा/होगी" —

श्रेणी

एक मुक्त राशि

प्रीर्ष कार्यपालक एवं वरिष्ठ प्रवन्धन  
मध्य एवं कनिष्ठ प्रवन्धन

रु० 5000/-

रु० 4000/-

पाद टिप्पणी: उपर्युक्त विनियमों में इसमें पूर्व किये गये संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित किये गये थे, इन्द्रद्वय यहाँ नीचे दी गई अधिसूचनाएं पावं उनकी तारीखें:

क्रमांक	अधिसूचना सं०	तारीख
1.	31/पर्य०/97	12-01-88
2.	31/पर्य०/861	07-05-88
3.	31/पर्य०/2139	29-09-88
4.	काप्रवि/177/3/88	09-12-89
5.	काप्रवि/177/1/89	09-12-89
6.	काप्रवि/177	05-03-94
7.	काप्रवि/177	21-07-95
8.	काप्रवि/177	17-08-96
9.	काप्रवि/177	19-11-96
10.	काप्रवि/177	12-05-99

बी० स्वामिनाथन  
महाप्रवन्धक

नई दिल्ली, विनांक 14 सितम्बर 1999

सं. य०-16/53/98-पि. 2 (हैदराबाद)—कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के अधीन नियम की शक्तियाँ महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा नियम द्वारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किया गया संज्ञा के अनुसार यह तथा लक्षणिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा शक्तियाँ आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा हैदराबाद को लूप धोकायी उप-विकितसा आयुक्त (दीर्घण-पूर्व जॉन) द्वारा नियत किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की न्यास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर-विकितसा प्रारूपिकारी के रूप में कार्य करने के लिए डा. एम. श्याम सुन्दर राय की सेवाएँ 17-1-99 से 16-1-2000 तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक विकितसा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी गहल है, दृष्टी हूँ।

डा. (श्रीमती) एम. शिंह, विकितसा आयुक्त

मं. एन-15/13/12/1/95-यो० एवं वि० (2) —  
कर्मचारी राज्य बीमा (मामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 95-क के माथ पठिंग कर्मचारी राज्य बीमा अविनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अक्टूबर, 1999 देसी तारीख के लघु में निश्चित की है कि मैं उक्त विनियम 95-क तथा राजस्थान कर्मचारी राज्य बीमा नियम, 1955 में निर्दिष्ट विकितसा हितवाम राजस्थान राज्य में निम्न-नियित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे, अर्थात्:—

"तहसील बम्सी राजस्व ग्राम कर्नीता, द्यारामपुरा, मत्त-गढ़ खोद्वालाना, विजय मुकुन्दपुरा उर्फ हीरावाला कुथाड़ा कला और कुथाड़ा खुदै, तहसील जमवा रामगढ़ का नायना, तहसील मांगनिर का लखेसरा, और जयपुर जिला और तहसील में विश्वपुरा और बगराना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।"

जी० एन० कपूर  
निदेशक (यो० एवं वि०)

क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा नियम  
पंचदोप भवन, बैक्टर 19-ए,

चण्डीगढ़, दिनांक 16 मिन्हवर, 1999

सं. 19. बी. 34/13/1/95-प्रश्ना० :—कर्मचारी राज्य बीमा मामान्य विनियम 1950 के विनियम 10-के अन्तर्गत दी गई व्यक्तियों का प्रयोग करने द्वारा प्रधानम्

क्षेत्र बोर्ड जम्मू एवं कश्मीर ने कठुआ क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अध्याय 4 व 5 पहले से लागू हैं) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

## अध्यक्ष

## विनियम 10-क(1)(क) के अधीन

- श्रमायुक्त जम्मू एवं कश्मीर, उप श्रमायुक्त जम्मू एवं कश्मीर।

## सदस्य

## विनियम 10-क(1)(ख) के अधीन

- (1) उप सचिव जम्मू एवं कश्मीर विभाग।

विनियम 10-क(1)(ग) के अधीन

- प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा ई० एस० आई० औषधालय कठुआ।

## विनियम 10-क(1)(घ) के अधीन

- श्री डी० आर० भाटिया, भारत स्माल आर्मज कठुआ।

5. श्री के० सी० शर्मा, वरिष्ठ अध्यक्ष, मैसर्ज चिनाव टैक्सटाइल जम्मू।

## विनियम 10 क(1)(ङ) के अधीन

- श्री अशरफ अहमद, चिनाव टैक्सटाइल मिल्स कठुआ।

7. श्री उत्तम चन्द, चिनाव टैक्सटाइल मिल्स कठुआ।

8. श्री बाबू सिंह, एच० पी० गेंस एजेन्सी, कठुआ।

## विनियम 10 क (1)(घ) के अधीन

- प्रबन्धक,

स्थानीय कार्यालय,

## सदस्य सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
पठानकोट।

आज्ञा से,  
बी० सी० भारतीज,  
क्षेत्रीय निदेशक

क्षेत्रीय कार्यालय  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

सं० 19 बी 34/13/1/95-प्रशा० —कर्मचारी राज्य बीमा निगम (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10 के अन्तर्गत दी गई याकिन्यों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष क्षेत्रीय बोर्ड जम्मू एवं कश्मीर ने जम्मू क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के अध्याय 4 व 5 पहले से लागू हैं), की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति

में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

## अध्यक्ष

## विनियम 10 क (1)(क) के अधीन

- श्रमायुक्त जम्मू एवं कश्मीर/उप श्रमायुक्त जम्मू एवं कश्मीर (ई० एस० आई०)।

## सदस्य

## विनियम 10 क(1)(ख) के अधीन

- (1) उप सचिव जम्मू एवं कश्मीर (श्रम विभाग),

## विनियम 10 (क)(1)(ग) के अधीन

- (i) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय बक्शी नगर जम्मू।

(ii) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ई० एस० आई० डिस्ट्रीक्यूटर डिपार्टमेंट डिपार्टमेंट जम्मू।

(iii) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय बाड़ी ब्राह्मण, जम्मू।

## विनियम 10 (क) (1) (घ) के अधीन

- श्री शान्ति कुमार अहान, प्रबन्धक मैसर्ज आर० बी० जोधामल एण्ड कम्पनी, केनोल रोड, जम्मू-180001।

5. श्री भुवन कुमार गुप्ता, प्रबन्धक, के० सी० प्लाईबुक्स इण्डस्ट्रीज अखनुर रोड, मुठी, जम्मू।

6. श्री कुलदीप डोगरा प्रबन्धक मैसर्ज इण्डस्ट्रीज 19 इस्टेट डिपार्टमेंट, जम्मू।

7. श्री सुरिन्द्र पाल मिह, निदेशक बाड़ी ब्राह्मण इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन नैयर हलैकरोड लिमिटेड बाड़ी ब्राह्मण, जम्मू 181133।

## विनियम 10-(1)(ङ) के अधीन

8. श्री कर्ग सिंह, सचिव भीनवाड़ा वर्कस यूनियन बाड़ी ब्राह्मण, जम्मू।

9. श्री मसूद अहमद अद्वारावी, अध्यक्ष स्टेट सेन्ट्रल लेबर यूनियन।

10. श्री रविन्द्र सिंह अध्यक्ष, हन्टक।

11. श्री मुहम्मद युसुफ भट्ट एटक।

## विनियम 10 क (1) (घ) के अधीन

12. प्रबन्धक,  
स्थानीय कार्यालय,  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
जम्मू।

## सदस्य सचिव

आज्ञा से,  
बी० सी० भारतीज,  
क्षेत्रीय निदेशक

कर्मचारी गण बीमा नियम  
नई दिल्ली, दिनांक 1990  
संशोधन

सं. ए-12/11/1/94-पा. वि. (म.)—दिनांक 7-8-99  
के अनुसार भारत के राजपत्र नं. 32 के भाग-3 कण्ड-4  
दिनांक 7 अगस्त, 1999 में प्रकाशित पदोन्नति उप-शीर्ष के  
अधीन दिए कानून 13 में अकिल 'ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित  
सेवा वाले वरिष्ठ आपरेशन नकनीशियन' जनरल के स्थान पर  
'ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले वरिष्ठ आपरेशन थिएटर  
सफलनीशियन/वरिष्ठ सी. एस. डी./सी. एस. बार.  
तकनीशियन' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं।

अ. म. नियमानुकरण  
स्थानिकदेशक

कर्मचारी भविष्य नियम संगठन (केन्द्रीय कार्यालय),  
नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 सितम्बर 1999

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एक्जम/89/भाग-4/4271  
—जहां अनुसूची-1 में उन्नीकृत नियोजनाओं से (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् उक्त अधिकारी कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियम और

प्रकीर्ण उन्नीकृत अधिकारी की धारा  
17 की उपधारा 2(स) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवश्यन  
किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया  
है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य आयुक्त इस बाबा से संतुष्ट है कि  
उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइं अलग अंशशान या प्रीमियम की  
अदायगी किए दिया जीवन बीमा के लिए भारतीय जीवन बीमा  
नियम की सामूहिक टैक्स टैक्स का लाभ उठा रहे हैं जो कि इसे  
कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियोजन सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीरकारी लाभों से अधिक अद्यक्त है (जिसे  
इसमें इसके 'उक्त अधीक्षण कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उन्नीकृत 2 (क) द्वारा  
प्रदत्त शास्त्रात्मक का प्रयोग करते हुए तथा अम अंतरालय, भारत  
सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य नियम की अधिकृता सं.  
तथा नियम जो प्रदाता नियम के लिए नामने दशायी  
गण्ड है के अनुसरण में तथा गंगन अनुगृही-2 के नियोजित रूपों  
के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य नियम आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी  
उपायों के संदर्भ में दत्तात्रे नियम के लिए 3 वर्षों की  
अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1  
में उनके नाम दो शामने दर्शया है।

### अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिकृता की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट संपादित छूट नियम की विधि	छूट संपादित छूट नियम की विधि	के लिए आयुक्त की विधि
1.	मै. हिन्दुमार्ग पोर्टर्स लि०, पी० औ० हिन्दमोर्टर्स जिला, दुर्गली (प० वं०)।	उच्चाध्यक्ष वि०/ 370	2/1959/डी०/एक्जम 89 दिनांक 8-7-97	16-12-91 एल०आई०/एक्जम 31-10-97	17-12-03 प० 16-12-2001	2/653/53/एक्जम न 31-10-2000
2.	मै० विजोनीसिनेमा 35, एस० पी० मुखर्जी मार्ग, 700 025	उच्चाध्यक्ष वि०/ 3673	उच्चाध्यक्ष वि०/ 31-10-97	1-11-97 न	2/2335/89 31-10-2000	

### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् नियोजक कहा गया है) संविधान क्षेत्रीय भविष्य नियम  
आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा-जोखा रखेगा  
तथा नियोजन के लिए एसी सूचिताएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय  
भविष्य नियम आयुक्त, समय-समय पर नियोजित करें।

2. नियोजक एसी नियोजन प्रभारी का प्रत्येक मास की  
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय उत्तरा और केन्द्रीय सरकार,  
इक्त अधिनियम की धारा 17 के उपधारा (2-क) के उपर के  
अधीन अमर्य-गमग पर लिखें करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत  
लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,  
बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, नियोजन  
प्रभारी का संदाय आदि भी है, होते वाले सभी व्यापों का बहन  
नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक  
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और ज्यौति उपर्योग संदो-  
धन किया जाए, तब उस संकेतन जी परि तथा कर्मचारियों की  
वह संस्था की शाया में उसकी माला वालों का अनुनाद स्थापना के  
प्रति गृहीत करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिकारियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले सूची सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में अपना नाम तुरत्त रख करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों को एसे सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशील है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ स्थापित की जाए तो कर्मचारी के उस बाजा में गंदेय होती जाए तद्देश उक्त स्कीम के अधीन होता ही नियोजक कर्मचारी के विविध वारिसों/नाम निवृत्तियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राजिकाओं के बाबत राशि का संदर्भ करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रहितकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों के अपना दीप्तिकाण स्पष्ट करने का योक्तव्यकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबाट स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदर्भ करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था होने विया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदर्भ में किए गए व्यापक क्रम के द्वारा में उन नए सदस्यों के नाम निवृत्तियों या विविध वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती हो तब उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा ताभों के संदर्भ का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार ताम निवृत्तियों/विविध वारिसों को दीमाकृत राशि का संदर्भ तत्प्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम ते बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

नई दिल्ली-66, दिनांक 15 सितम्बर 1999

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एक्जम/89/भाग-4/4279  
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि शैर प्रकीर्ण लानना अनिवार्य, 1952 (1952 का 19) डी नारा 17 की उपचारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आयोद्धा किया है। (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सत्याष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशाधान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के हृषि भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं औं कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सद्विद्युत बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य ताभों से अधिक अनुकूल है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारियम कहा गया है)।

अतः उक्ता अधिकारियम नीं धारा 17 की उपचारा 2(क) द्वारा प्रबंध संविधानों का शोध करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि अनुकूल की अधिसूचना में, तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना दों नाम के सामने इशारीय गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित तारीं के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने स्कीम के सभी उपलब्धों के संचालन में इन्योजित उपचार स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	सरकारी अधि- सूचना की सं। दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/ विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की निधि	के भ.नि.आ. की फाईल सं।
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैं गुजरात स्टेट कर्टिलियाइजर्स एण्ड कैमिकल्स लिं.	जी०जे०/५२३८-वी०	2/1959/डी०/एल ०आई०/एक्जम/	31-5-99 ८९पी.टी०-१/	1-6-99 ३६०१३ दिनांक	2/5326/93/डी०
	फाइबरयुनिट पो. बा. नं. 18 कोसम्बा-394120 जिला सूरत (गुजरात)				21-1-99	से एल.आई.
					31-5-2002	

१	२	३	४	५	६	७
२.	मै० श्री राजकोट नोटिका महकारी जी०जे०/ ५६७३	९-४-९८	३०-९-९७	१-१०-९७	२/४५०६/९२	म
	वरीद वेचन संघ लि०					
	महकार क्रियेनी, २९/३८,					३०-९-२०००
	करनपारा बस स्टैंड के पीछे,					
	राजकोट-३६०००१ (इंडिया)					
३.	मै० कट्टोमेट प्रा० ति० मितेश मवडी ए०ए०	जी०जे०/ ७५८९	२२-११-९७	३०-५-९८	१-६-९८	२/३७८३/९१
	राजकोट-३६०००४				से	
४.	मै० शुटज कार्बन इलैक्ट्रोड्स प्रा० लि०	जी०जे०/ ११३५१	१३-५-९१	३१-१-९२	१-२-९२	२/३४३४/९१
	४३/१, जी० आई० डी० सी० एस्टेट,				मे	
	कलोल-३८२७२१				३१-१-९५	
					१-२-९५	
					से	
					३१-१-९८	
					१-२-९८	
					से	
					३१-१-२००१	
५.	मै० डा० अंड कुमिंत्रन प्रा० ल० धी० जी० आ० सी० एस्टेट,	जी०जे०/ १४७४४-ए	२६-१०-९७	३१-५-९८	१-६-९८	२/३३२५/९०
	महसाना (गुजरात)				म	
					३१-५-२००१	

### अनुसूची-२

१. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे हमने इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित धैर्यीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीकण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

२. नियोजक एसी नियोजित प्रभारी को प्रत्येक भाग की ममार्ति के १५ दिन के भीतर संदाग करेगा जो केन्द्रीय यंगकार उक्त अधिकारी की धारा १७ की उपधारा (२-क) के लाए के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

३. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रदानन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, निवारणियों का प्रस्तुत निया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, नियोजित प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले भी दोनों का गहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

४. नियोजक, केन्द्रीय यंगकार द्वारा अन्तर्दित सामूहिक बीमा रक्कीम के मिथियों की एक प्रति और जब कभी उस्में संशोधन किया जाये, हब उस संशोधन की परित तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बाहों का अन्वाद स्थापना के सचना एवं पर प्रदर्शित करेगा।

५. एवं कोई कर्मचारी जो भवित्वा नियम द्वारा उसके अधिकारियों के अधीन काट प्राप्त कियी स्थापना का भविष्य निधि का पहले ही

मद्दत्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरस दर्ज करेगा और उसकी बाइंद यादृशक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

६. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम दायार जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों वे उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप में विद्युत किए जाने व्यक्तिगत करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए नामूहिक बीमा स्कीम के अधीन नाम उपबन्ध नाभां से अधिक अनुकूल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

७. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी भाग के लाते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश भवित्व से कम है जो कर्मचारी ने उस तारे में संदेश लाते भी जब उक्त स्कीम के अधीन होना वे नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम नियोजितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर गणि का मंदार करेगा।

८. सामूहिक बीमा रक्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित धैर्यीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के लाते पर प्रतिकार लाते न हों तो उसका नाम उपलब्ध नाम से अधिक भविष्य निधि उपलब्ध आना भी दोनों दोनों एवं उपलब्ध कर्मचारियों को उपना दीर्घकाल स्थाप्त करने का विकल्प अवसर देगा।

9. यदि किसी कलाशनक वाराता के लोनारी भारती जीवन  
दीमा रियाती वाराता कलाशनक वाराता रहा तो क्या ? स्थानका पहले  
अपना चूकी है कर्मचारी वाराता वाराता इसका लोना  
कर्मचारीयों को प्राप्त नहीं करे ? किसी वाराता जो लोना तो  
रखता है वह क्या ?

10. यहीं दृष्टि नहीं है कि विदेशी विद्यालयों के विदेशी लोगों द्वारा जिनका विद्यालय नहीं है, वहीं विदेशी विद्यालयों में असफल रहता है और परिवर्तन करना चाहता है कि छात्र एवं छात्रा की जागरूकी है।

11. फिरी उत्तरां फिरी ले गंदाय ॥- फिर राज्यान्वयन की दशा में उसके समर्थने के लाभ गिरायी गयी थी विधिक वारियों को यदि यह छाट वीर्द्ध होती तो उनका स्कीम के अन्तर्गत होने वाले विभिन्न वारों के संक्षय का उन्नर्दायित्व मियांजक पर होगा ।

12. यकृत स्थानों में ग्रहण में ग्रहणक इस स्कीम के अधीन आने वाले फिरी सत्त्वय की मत्ता लेने पर उसके हकदार नाम निवृत्तिसाहो/विविध वार्षिकों वा लीमाकल गण का संपादन सत्प्रता में लीन प्राप्त होने वाले ग्रहणक जीवन लीपा त्रिग्रस्त से द्विमाकल गण इस त्रैन के एक माह के भीतर समिश्रित करेगा।

पा. है जीन  
श्रेष्ठोग भविता निभ आयका

अनुसूची— 1

### क्रमांक स्थापना का नाम और पता

1	2	3	4	5
1.	मै० वेन्डर एन्टरप्राइज, इवर आई रोड (माऊथ) राजकोट-360002	जी०जे०/11353	1-7-97 मे०	4/146/99/जी०पाल०आई०
2.	मै० एक्सप्रोटेक्टा, 305/306, जी० आई० डी० सी० विट्टल उद्योग नगर, की० थी० नगर-388121	जी०जे०/12333	1-3-96 से	4/151/99
3.	मै० ज्ञाननगर राजकोट ग्रामीण बैंक, मिलन नैपर, गेहिनार, कालोनी, ज्ञाननगर (आंतर्महित)	जी०जे०/11941	1-9-97 से	4/147/99
4.	मै० विलहोलैबोरेट्यून प्रा० लि०, 290, चिन्ना भारतगर-384001	जी०जे०/14544	1-8-97 से	4/148/99
5.	मै० जानि आगल पाण्डे० लि०, 220/जी०आई० डी० सी० एस्टेट, महसाना-384002 (गन० जी०)	जी०जे०/16676	1-2-98 मे०	4/149/99
6.	मै० वन्दना टैन लाइस, 2002/3, जी० आई० डी० सी०, अकलेश्वर-393002 ।	जी०जे०/18625	1-3-99 मे०	4/150/99
			31-3-2002	

विनायक 16 सितम्बर 1999

अमेरिका के द्वितीय अधिकारी विप्रिल आशाकृत लोग नाम से संवाद है कि विद्युत स्थापना के कर्मचारी कोई उल्लंघन अंशदाता या ईमाराम की अस्थायी किंवा दिवाली लीला दे दिया जाता है। ताकी ये जीवन वीभा नियम की गामिहिक वीभा स्थिर है। लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी विक्षेप सम्बद्ध भीमा स्कॉप, 1976 के अंसरगत स्टीलार्ड समीं भू अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके प्रबाल स्कॉप कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा पद्धति शक्तिशाली का प्रयोग करते हुए तथा इसके माध्यम संलग्न अन्तर्सची में नियन्त्रित होता है । के तरार नियन्त्रित होता है तथा आयोजन ने प्रत्येक उक्त स्थानों का प्रत्येक के मामने उत्तिष्ठित पिछली तारीख में प्रभावी जिस नियन्त्रित रूप स्थानों को भेजीए भवितव्य नियन्त्रित आयोजन, गुजरात ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत विभिन्न प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि की हिता उक्त स्कीम के संचालन को छह वर्ष प्रदान कर दी है ।

1	2	3	4	5
7. म०एक्स-कन्डका 420, फेज-4 जी० आ० सी० विठ्ठल उद्योग नगर, वी० वी० नग०-388121 जिला कैरा गुजरात	जी०जे०/16719	1-3-96 से 28-2-99	4/152/99	

## बन्धुक्षणी-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित अंतीम भविष्य नियिक वायुक्त के एसी विवरणों भेजेगा और सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ उदान करेगा और केन्द्रीय भविष्य नियिक वायुक्त, समय-सम्बन्धित निर्विष्ट करें।

2. नियोजक एसी निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की वाराणी के 15 दिन के भीतर संवाद-करेगा और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) के बाद के अधीन समय-समय पर निवेद करें।

3. सामृद्धिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसने अन्तर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणों को इस्तुत किया जाता, वीमा प्रीमियम का संदाय, सेवाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाद आदि भी है, हाने वाले सभी-स्पष्टी का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्भूत वायुक्त वीमा स्कीम के विभागों की एक प्रति और जब कभी उसमें संकीर्तन किया जाये, तब उसे संकीर्तन करें प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-मत्त्वा की धारा में उसकी महत्वता का अन्तरण स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य नियिक या उक्त अधिनियम के अंतीम छट प्राप्ति किसी स्थापना की भविष्य नियिक के पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक ग्रामीणिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुन्दर दर्ज करेगा और उसकी वाक्य आवश्यक प्रीमियम भारतीय औद्योग वीमा नियम की संवत्सर करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ पड़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृद्धिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभी भी सामृद्धिक रूप में वितरित किया जाने वाला अनुसार, करेगा, जिसमें किंवदन्ति कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध नामी से अधिक अनुकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुबंध है।

7. सामृद्धिक वीमा स्कीम में किसी वात के हाते हुए भी यदि नियोजित वीमा की महत्व पट्ट इस स्कीम संबंधित राज्य से कम है तो कर्मचारी की उस वात में संबंधित है, तो उस वात उक्त स्कीम के अंतीम हानी ने नियोजक कर्मचारी के नियिक वायरेस/नाम नियोजित वात के ग्राहकर के रूप में वानी राजियों के अनुसुन्दरीकरण का संकाय करेगा।

8. सामृद्धिक वीमा स्कीम के उपलब्ध में कोई भी संकीर्तन संकेतिष्ठ अंतीम भविष्य नियिक अनुसार के एसी वायुक्त के विवरणों किया जाएगा, और जहां किसी संकीर्तन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिक्रिया प्राप्त बनने की सम्भावना हो वहां अंतीम भविष्य नियिक वायुक्त वरपा जनशोषण देने के एसी कर्मचारीरक्त के वायुक्तिकोण स्पष्ट करने का ग्राहकस्थित अनुसर बोगा।

9. यदि किसी कारब्लेक्स-स्पेलन के कर्मचारी भारतीय अधीन दीया नियम की उस सामृद्धिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना बूकी है, अंतीम नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अंतीम कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राजिय से कम हो जाए तो छट की जा सकती है।

10. यदि किसी कारब्लेक्स नियोजक उस नियत तारीख के भीतर वीमा नियम नियत करे, इन्हींने वीमा स्कीम के अंतीम वायरियों को अंतीम नहीं रह जाता है और प्राप्तिसामान्य व्यवस्था होने विकालहात है तो छट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए अधिकम की वात में उन यत्न सवालों के गम निवारणीय या विविध वारिसों की यदि इह छट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा लाभी के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इह अलग अधीन जाने वाले किसी सदस्य की महत्व होने पर उसके हक्कदार नाम-नियोजितों/विधिक वारिसों को वीमाकात गरिए का संकेत अनुसार भारतीय और जीवन वीमा नियम वीमाकात राजिय द्वारा हो और प्रत्येक वात में भारतीय और जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राजिय प्राप्त लाभ के भीतर संविधित करेगा।

ए. के. औ

अंतीम भविष्य नियिक वायरिय

सं. 2/1959/जी. एस. आ०/भाग-1/4303—  
जहां जनशुद्धि-1 में उत्तराधिक विवोवताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियिक और प्रकीर्ण उपर्यंथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

बैकिं केन्द्रीय भविष्य-नियिक वायरिय इस वात से मंत्रज्ञ है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंशादान या प्रीमियम की उदायगी किए जिन वीमा के रूप में भारतीय और जीवन वीमा नियम की सामृद्धिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसी कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियिक स्पष्ट अनुकाल है। जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त वायरियों का प्रयोग करते हुए इथा इसके साथ संलग्न अन्तर्गत में उत्तराधिक सामृद्धिक विधिक अनुसार के अनुसार फैलावीय भविष्य नियिक आवेदन ने, प्रत्येक के शास्त्रे उत्तिलिपि विद्युती तारीख में जीवन वीमा नियिक से उक्त स्थापना की अंतीम भविष्य नियिक आवृत्त आ. प्र. ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील पदार्थ जी है। 3 बर्ष की अवधि के लिए उक्त वायरिय की संस्कारण की छट प्रयोग कर दी गई है।

## अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फा० नं०
1.	मै० प्रकाश इन्हस्ट्रीज, इन्कोपाडु पो० आ० वाया रामावाड, आपाडु-५२११०८।	ए०पी०/१६५१२	१-८-९७ से ३१-७-२०००	१/९७/९९ डीएनआई
2.	मै० विजयना विहारा इंगलिश मिडियम स्कूल, मत्यानारायणपूर्म, विजयवाडा।	ए०पी०/१६५५४	१-३-९७ से २९-२-२०००	१/१०१/९९
3.	मै० नैटको कार्मा लि०, नैटको हाउस, मार्ग नं० २, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-५०००३३।	ए०पी०/१६३२८	१-१२-८७ से ३०-११-९० १-१२-९० से ३०-११-९३ १-१२-९३ से ३०-११-९६ १-१२-९६ से ३०-११-९९ १-१०-९५ से ३०-९-९८ १-१०-९८ से ३०-९-२००१	१/१००/९९
4.	मै० बालाजी हैबरिंज, ४-२०२८, दुरा नगर, ग्रामपेट, चिंदूर, आ० प्र०-५१७००२।	ए०पी०/११६१७	१-३-९५ से २८-२-९८ १-३-९८ से २८-२-२००१	१/९९/९९
5.	मै० सदनी चौदराई रेजीडेंट्स पब्लिक स्कूल, चिनकालीरीमेट, गज्हूर, आ० प्र०।	ए०पी०/१६६०९	१-३-९५ से २८-२-९८ १-३-९८ से २८-२-२००१	१/९८/९९

## अनुसूची-2

- उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके वहांत नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित अधीनीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसा लेखा-ओला रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुधिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय-भविष्य निधि-आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की नियमित के १५ दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा १३ की उपधारा (२-क) के खण्ड के क्षेत्र में समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, वीमा इनियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संबाद आदि भी है, तभी वाले सभी व्यवों का वहन नियोजित ब्वारा किया जायगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार इतारा अनुसूचित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तभी उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्यक की भाषा में उसकी भूम्य आतों का अनुचाल स्थापना के नज़ना इट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोइं कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिकारियों के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम के सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामयिक बदाय जाते हैं तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सामयिक सामयिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें वे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन सामयिक लाभों से अधिक अनुकूल हों और उक्त स्कीम के अधीन अनुशंशा हो।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यीक किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम हो जो कर्मचारी को उस दशा में संबंधित होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वार्षिक/नाम नियोजितों को प्रतिकार के रूप में वोनों राशियों के बारावर राशि का संबंध करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोइं भी संबोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और इहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन वर्ते के पूर्व कर्मचारियों को बण्णा दीप्तिक्रम स्पष्ट करने का याकृतायक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणदण्ड स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणदण्ड स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक विवारा प्रीमियम के संबंध में यह योग्य कारण यह कि उन भूत सदस्यों के नाम नियोजितों या विधिक वार्षिक बीमा स्कीम के अधीन रहता है और पानिसी को व्यवहार करने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो उक्त स्कीम के अधीन रहती होती, बीमा सामयिक संबंध के संबंध के उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम नियोजित/विधिक वार्षिक बीमाकृत राशि का संबंध तुरन्त से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. नं. 11  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/ही. एस. आई/भाग-1/4314—पहाड़ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजितों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारीय उपबंध अधिकारियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आयुक्त किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिकारियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइं वलग अंशदान या प्रीमियम की अवायरी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का सामयिक अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, ने प्रत्येक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र ने स्कीम की भारा 28(7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 करों की अवधिकारी के लिए उक्त स्कीम के संबोधन की छूट प्रदान कर दी है।

अतः उक्त अधिकारियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए तथा इसके सामयिक अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, ने प्रत्येक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र ने स्कीम की भारा 28(7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 करों की अवधिकारी के लिए उक्त स्कीम के संबोधन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० न०
1.	मै० केन बैंक इंस्ट्रुमेंट भजमेट सर्विस लि०, जाओरयंट हाऊस, एडी मरजेवन रोड, मुम्बई-38।	एम०एच० 40208	1-3-98 से	9/58/99 डीएलआई
2.	मै० रिलांस पेट्रोलियम लि०, आरपी०एल० हाऊस, तीसरी मंजिल, बलचन्द मार्ग, मुम्बई-400001।	एम०एच० 41261	1-8-96 से	9/45/98
3.	मै० ए०सी०सी० पनिकोन कसटिंग लि०, ए-१/२, बूटीबोरी इंडस्ट्रियल एस्ट्रिया, बिल राईकारी एम०आई०डी०सी०, बूटीबोरी, जिला नागपुर-441108।	एम०एच० 61875	31-7-99 1-7-97 से	9/57/99 30-6-2000

अनुसंधानी-2

१. "उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्वाचक विधायिका विधायिका परिवार निर्वाचक कहा गया है) समर्पित अन्तीम भविष्य निर्धारण का एसी विवरणिया भेजना और ऐसा रखना तथा निर्वाचन के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निर्धारण के सम्बन्ध पर निर्दिष्ट करें।

2. विवाहक एवं निरौक्षण प्रभारी का प्रस्तुत मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो अंतर्राष्ट्रीय जारीकार द्वारा अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) द्वारा जुण्ड के अधीन सम्बन्ध पर नियन्त्रित करें।

३. सामूहिक दीमा द्वारा के प्रशासन में विभिन्न कानूनों का रखा जाता, विवरों को अस्तुत किया जाता, दीमा प्रतिष्ठान का संचाय, दीमा का अन्तरण, निवासियों और भारी का संचाय दीमा भी है, हीन दीमा सभी व्यक्ति का वह निवास व्यवाहार किया जायगा ।

4. उन्योजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उस कमीजी उन्यों सामूहिक किया जाय, तब उस संस्थाभन की प्रति तथा कमचारियों की वहु-उच्चता को भावा में उत्तरकी मूल्य वालों का अनुकाल स्थापना के बृच्छा पट्ट पर प्रवर्द्धित करेगा ।

5. यदि काई कर्मचारी जो भविष्य निर्धारित वा उद्दृष्ट अधिकारियों के अधीन कूट प्राप्त कियी स्वापना की भविष्य निर्धारित काल के दूर समय है, उसको स्वापना में निर्धारित किया जाता है ताकि विधायक कानूनी दीमा स्कीम के समर्पण के बाप में उपलब्ध नाम दूरस्त दर्ज करेगा और उसकी वापत वापरक श्रीमित्र भावतों द्वारा दीमा निर्गम के संदर्भ करेगा।

७६. 'जीव उक्त स्कीम के अधीन कमचारियों को उपचारण सामने वढ़ाये और ही सामयिक अमुक्ताहक दीमा स्कीम के अधीन कर्म-प्रभारियों का उपचारण अमुक्ताहक दीमों में सामुद्रहक रूप से बढ़ावा दिया जाने के लिए अधिक स्थानकरणा, और सभी कमचारियों के लिए सामुद्रहक अधीक्षा स्कीम के अधीन सामने उपचारण सामां दे अधिक अमुक्ताहक हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्वेष्य हो'।

7 सामूहिक यीमा स्कीम में किसी बाब के छोटे हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध याचिक दर राखि से 'कम' है जो कर्मचारी को 'छोटे ददार्ह' में सदबे हुती धर्म देना उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियंत्रिक कर्मचारी के विधि वारिस/ नाम निवृत्ति की का प्रतिकार के 'अप' में दाता राखिवां के बदले राखिवां का विवरण करते ।

8. सामूहिक दीमा रकीम' के उपर्युक्तों में कोई भी संशोधन संबंधित 'क्षेत्रीय भूमिका नियम अंतर्काल' के पूर्व अनुसार को विनाशनहारा किया जायगा और वहाँ किसी संशोधन से कमचारियों के हित पर श्रीतकूल प्रभाव पहुँच की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भूमिका नियम द्वायुस्त अपेक्षा अनुसारेन राने के पूर्व कमचारियों को अवैनाश दृष्टिकोण स्थापित करने का उपकारिका काम सुन देगा।

9. एवं फिरी कारणवश स्थानों के कर्मचारों भारतीय बीचन तित निम्न लिखित विभिन्न सामूहिक विभाग स्थापित क, विवर स्थानों

पहसु ही अपना लूकी है, जिसने जहाँ तक पहसु है वह वह स्त्रीय के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त हुने वाली किसी रक्षित से कीम हो आएँसो समझ स्त्रीमिशनिस्ट की जांचकरी है ।

10. यदि किसी कोर्टमें 'नियमित रुप नियत' दीर्घीकृत भीतर या बीच या बीमा नियम नियत करे प्रीवियर का विवाद करने के बहुत रुप योग्य है और योग्यता के बहुत कुछ रुप योग्य है तो छूट रुप की जा सकती है ।

11. 'नियोजक' 'इवारा' 'प्रीमियम' के "संदर्भ में" जीकरे वाले व्यापक क्रम के दृष्टा में उन्हें भूत "संस्करण" के नाम से 'नियोजक' वाले विधिक बारिसों को यदि यह क्लूट वी ग्रूप हो तो उक्त "संकीर्ण" को अस्तर्गत "होते" 'वीगा' 'लाभों के "संदर्भ" का 'संस्करण' विधिक पर होता ।

12. उपर व्यापना के सम्बन्ध में विवादिक हस्तक्षेप के बोधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके संतुलित नाम निवारित/विभक्त वारिसों का वीमाकृत रूपों का संवाय संपर्क से और प्रत्येक वृक्षा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत रूपों प्राप्त होने के एक भाव के भीतर सुनिश्चित करें।

## ३०८

‘दितांक 17’ प्रिस्टम्बर 1999

सं. 2/1959/झी. एक. आई./झाग-1/4323—झहा  
अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके  
‘अंतर्गत उक्त स्थापना कहा गया है’) कर्मचारी भविष्य निधि और  
प्रिकोर्ज उपचयन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की भारा  
की उद्धारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए अनुदानीक्या है (जिसे  
इसमें इसके ‘पैसात उक्त अधिनियम कहा गया है’) ।

‘चूंकि कल्पना के नियम वास्तव में यह बात है कि विभिन्न स्थापनाएँ कार्यवाची कार्यवाची असम-असमान वा असमियाम वा असमानी किए दिना बीमा के रूप में भारतीय बीमा बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं अंकि एस. कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियम-संस्थान बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य सामैं से अभियंक बनकूल है’ (जिवं इसके पासात् स्वीकार्य गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की ज्ञानारा 2(क) द्वारा प्रदत्त अकितयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ ज्ञानारा 2(क) सूची में उल्लिखित सर्तों के अनुसार किसी भी विषय नियिक अधिकार ने प्रत्यक्ष उक्त स्थापना को प्रयोग के साथ से उल्लिखित विषयी तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य नियिक अधिकार महाराष्ट्र ने स्कीम की भारा 28 (7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के सिए उक्त स्कीम के दंष्टान की छाट प्रदान कर दी गई है।

## अनुसूची-1

सं. सं.	स्थापना का नाम और पता	फोडनं.	छूट की प्रभावी तिथि	केंद्र नियोजन फा० नं०
1.	मै० प्रसिजन सौल मैनुफैक्चरिंग लि०, फ्लॉक-एस, फ्लॉट नं० 156, नजदीक सैन्यरी इनका लि०, एम०आई०डी०सी०, लौसारी, पुणे-411026।	एम०एच०/22103ए	1-12-97 से 30-11-2000	9/60/99 डीएचआई
2.	मै० हॉटरवालेव (हिंडिया) लि०, २१२/२, हांडियाप्सार, पुणे-411028।	एम०एच०/30940	1-8-98 से 31-7-2001	9/61/99
3.	मै० ह०एल०ओ० मेटिक इंडिया प्रा० लि०, ८९६ए. १/८, सेट पट्टिक टाउन हाडाप्सार, पुणे-411013।	एम०एच०/30943	1-8-98 से 31-7-2001	9/62/99
4.	मै० मसैडैड बेंज हिंडिया लि०, सेक्टर-१५ए, खिंडौली गोद, पिंपरी, पुणे-411028।	एम०एच०/32162	1-4-99 से 31-3-2002	9/63/99
5.	मै० जलदूत मेटेरियल हैंडलिंग प्रा० लि०, जे-४३, एम०आई०डी०सी० भोसारी, पुणे-411026।	एम०एच०/31096	1-8-97 से 31-7-2000	9/64/99
6.	मै० विक्की आइरन एंड स्टील कार्पोरेशन लि०, ४६, ए एंड बी एम०आई०डी०सी० ऐरिया, हिंगा मार्ग, नागपुर-४४००२८।	एम०एच०/16564	1-7-95 से 30-6-98 1-7-98 से 30-6-2001	9/65/99
7.	प्रभू अमुसोब कार्पोरेशन लि०, प्र०एफ ४, एम०आई०डी०सी०, हॉटस्ट्रिप एरिया, हिंगा मार्ग, नागपुर-४४००१६।	एम०एच०/24523	1-7-98 से 30-6-2001	9/66/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में-नियोजक (जिसके पश्चात् नियोजक कक्ष न गया है) संबंधित संस्थाय भविष्य नियित आयुक्त को एसी-विवरणियां भेजेगा और वेळा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचियाएं प्रशान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य नियित आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक एसी निरीक्षण प्रभावी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संसाक्ष करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपर्योग (२-क) के बाये के अधीन समव-समव पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के अध्यात्म में जिसके अन्तर्गत संसाक्षों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा बीमावालों द्वारा संदर्भ, लेखांकन-का, अकलत, नियोजित प्रभावी का

“संदाय आदि भी है, हांने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमतित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाला में उसकी मूल्य बातों का अनुदान स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य नियित या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्ति किसी स्थापना की भविष्य नियित को पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरत बदल करेगा और उसकी वाली आवश्यक प्रीरियम भारतीय बीमा निगम को संबत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ वहाँ जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि दिए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के आधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के आधीन अनुज्ञा हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हास्ते हर भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवैध राशि से कम है जो कर्मचारी जो उग दशा में संचये हो तो जब वह उक्त स्कीम के आधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्दीशितों को प्रतिकार के रूप में वीनों राशियों के बदावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संवैधित और भी भविष्य नियी आवश्यक पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन वंश वर्गीकरियों के द्वारा पर प्रतिकूल प्रभाव दर्शन की सम्भावना हो वहाँ केवल भविष्य नियी आवश्यक अपना अनुमति दर्शन की पूर्व वर्गीकरियों को अपना औष्ठकाण संबद्ध करने का अवश्यक अवधारण दर्शन होगा।

9. यदि किसी कारणपूर्ण स्थापना के कर्मचारी भास्त्रीय बीमा बीमा नियम को उच लामूहिक बीमा स्कीम के बिने स्थापना पहले अपना चूकी है और अधीन नहीं रह जाता वा इस लक्षण ने अधीन कर्मचारियों को आज अनुज्ञा दी राशि से कम है तो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणपूर्ण इस नियम दारीय के भीतर जो बीमा नियम के अधीन भविष्य का संदाय करने में अवश्यक रह जाता है और पालिसी को व्यवस्था होने विश्वास जाता है तो इस रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा भीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तियों की दशा में उन संसदस्थानों के नाम निवेशितों या विधिक वारिसों को योग्य रूप दी गई हो तो उक्त स्कीम

के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संबद्ध का उपलब्ध नियोजन पर होगा।

12. उक्त स्थापना के उपलब्ध इह स्थान के कर्मचारों वाले किसी संवैध की पूर्व दर्शन पर उक्त उपलब्ध नाम निवेशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि वा संबद्ध उपलब्ध से और प्रत्येक राशि में भास्त्रीय बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. अन्न  
संवैध भविष्य नियी आवश्य

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/4336—यहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियी और प्रक्रीय उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

बूँदी केन्द्रीय भविष्य नियी आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशालय या प्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भास्त्रीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठ रहे हैं, जोकि एंसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियी संहवाल बीमा रकीय, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तभा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्हों के अन्सार केन्द्रीय भविष्य नियी आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित विभिन्न दारीय संप्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को भविष्य भविष्य नियी आयुक्त मण्डल ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत दील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान की है।

अनुसूची-1

क्र०स०	स्थापना का नाम और पता	कोड न०	छूट की प्रभावी तिथि	क्र०ध० नि० आ० फा० न०
1	2	3	4	5
1.	मै० विद्या मंदिर (एवियार) सैकन्डरी स्कूल, चौथा मेन भार्ग, गांधी नगर, चैन्नई-600020।	टी०एन०/23214	1-3-91 से 28-2-94 1-3-94 से 28-2-97	14/123/95 डीएलआई
2.	मै० वाइट हाउस प्रोसेस प्रा० लि०, न० 1096, ई०वी०आर० पस्तियार भार्ग, परियामेट, चैन्नई-600003।	टी०एन०/30890	1-11-98 से 31-10-2001	14/640/99

1	2	8	4	5
3.	मै. टैन में कम्प्यूटर एंड साइटेक्नोलॉजीज लि. 942, पुनमाली हाई मार्ग, चैनई-84।	टी.एन. 31079	1-6-94 से 31-5-97 1-6-97 31-5-2000	14/610/99
4.	मै. फाइन पोर्टल इन्डस्ट्रीज प्रा. 31/24, पार्ट काभी पाल्यूर विलेज, पाथुर (पी.ओ.) कान्चीपुरम जिला-603103।	टी.एन. 31487	1-7-98 से 30-6-2001	16/641/99
5.	मै. सोन्ट स्पीनिंग (मद्रास) प्रा. 4, तथा 5, एस. 45, अरमनिन्थन स्ट्रीट, चैनई-600001।	टी.एन. 31897	1-7-98 से 30-6-2001	16/642/99
6.	मै. वाक्केदर एंड ब्रावाग टेक्नोलाजीज लि. 6, मुरेर गेट मार्ग, अलवरपेट, चैनई-600018।	टी.एन. 31934	1-8-97 से 31-7-2000	16/643/99
7.	मै. चरामपेट सम्बन्ध निधि लि. रामाकृष्ण स्ट्रीट, राघव नगर, चरामपेट, चैनई-600044।	टी.एन. 31993	1-8-98 से 31-7-2001	16/644/99
8.	मै. वाइट हाउस काटन इंडस्ट्रीज लि. एस. 1, कोल्पाक्कम विलेज, वेदानथान्ताल चैनगाई एम 2जी 0आर 0 जिला।	टी.एन. 39151	1-1-99 से 31-12-2001	166/45/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) संबींधित अधीनीय भविष्य निधि आयक्ष, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसी लेखा-ओसा रखेगा तथा नियोजन के लिए एसी सुविधाएं प्रशान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्वैश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाए, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं हाने धारों सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अनुसन्धान की भाषा में उसकी मूल्य वालों का अनुचान स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छोट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा दर्ज करेगा और उसकी बादत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम के संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नप्रभवाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन अन्य कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से अधिक किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं और उक्त स्कीम को जीवन बनायें हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि भी कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता से नियोजक कर्मचारी के नियाधिक वारिसों/नाम निवैशताओं को प्रतिकार के रूप में दीनी राशियों के अन्तर के बावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्ष के एवं अन्मोहन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी गंभीर दर्द से कर्मचारियों की हित पर ग्रान्तिकर्म प्रभाव पड़ते की संभावना हो जाहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्ष उपचार अनुबंध दर्दने से पूर्व कर्मचारियों की उपचार हाईकोर्ट द्वारा शास्त्रीय विवाद का यूकितयुक्त विवर देया।

9. यदि किसी कारणबश स्थापना के कर्मचारी भारतीय ग्रीष्म वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबश उस नियम तारीख के भीतर वीमा नियम नियन्त करने प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपरस्त होने विया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक बूद्धार्थ प्रीमियम के मंदाय में किसी गई किसी अधिकम की दशा में उस भूल सदस्यों के नाम नियोजिती वा विधिक धारियों को यदि यह छूट वी गई होती हो उक्त स्कीम के कल्पनात्मक वीमा नामों के मंदाय का उत्तरवाचिक नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजिती/विधिक धारियों को वीमाकृत राशि का सेवाय शपथरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय एजेन्ट वीमा नियम में वीमाकृत राशि आप्त होने के एक बाह द्वे भीतर सूनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन  
लेनीय-भविष्य-निधि-धार्यक्षण-

#### अनुसूची—1

क्र. सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं०	छूट समाप्ति छूट विस्तार के० भ. नि० ला०	व दिनांक जिसके द्वारा की तिथि की फार्म सं०
1.	मै० सेन्ट्यूरी रायोन पी० वी० एमएच 1616 एस-35014/14/87 एस० नं० 22, सहीव थान-421103	एस	28-1-89	29-1-89 से 2/36/76	
		दिनांक-29-1-87		28-1-92 त्र० एल. आई.	
				29-1-92 से	
				28-1-95	
				29-1-95 मे	
				28-1-98	
				28-1-2001	
2.	मै० के० रायोन इंडिया लक्ष्मी एमएच/5507 विलिंग्स, 6, सौरजी भल्लभदास मार्ग ब्राह्मण स्टेट, मुम्बई-400001.	89/पीटी-1 दिनांक	1-3-96 मे	2/813/83	
				28-2-99	
				1-3-99 मे	
				28-2-2002	
3.	मै० लूकिन्स क्लूकर लि०, मेकर एमएच/ टावर, एफ-101 कफी पराडे, 6333 मुम्बई-400006.	11-6-99	28-2-99	1. 3-99 मे 2/899/83	
4.	मै० आई. ए. एस्टो नि० बक्तावर, दूसरी मंजिल, रायगढ़ गोइस्ट, मुम्बई-400021	एमएच/ 19795	11-7-91	23-12-92 24-12-92 2/764/82	से
				23. 12-95	
				24-12-95 मे	
				23-12-98	
				24-12-98 मे	
				23-12-2001	

2

1. उक्त स्थापना के ग्रन्तीयों द्वारा (जिनमें दूसरे के पश्चात नियोजित करा गया है) ग्रन्तिकर्ता द्वारीय भविष्य नियिक आपूर्ति को एक्सी विकासित भवेगा और ग्राम निवासी-जीवन रस्यगा देश निर्माण के लिए ग्रामीण भूमिकाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य नियिक आपूर्ति ग्राम-समाज पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक बोर्ड नियोजित करने वाले वा प्रत्येक मास की रामार्गिक ले 15 दिन के भीतर संबोध करेगा जो कल्पनीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2-क) के साथ के अधीन समृद्ध-समय पर निवृत्ति करें।

3. रामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन दूर्जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, डिवर्पियां तथा का प्रत्यक्ष किया जाना, बीमा प्रीमीयम तथा तंदाग, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, हाँ नाले सभी व्ययों का वहन नियंत्रक द्वारा किया जायेगा ।

4. निषेचक, केंद्रीय सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सामरिक शीमा स्कोर के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उग्र संशोधन की प्रति हथा कर्त्तारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मस्त्र वालों का अनवाद स्थापना के मत्तू पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

५ एदि दोड्हे कर्मसारी उ भविष्यत तिथि या तात्त्व उद्दिष्टियम्  
के अधीन छाट प्राप्त किमी स्थापना हो भविष्यत तिथि का एवले ही  
सदस्य है, उसको स्थापना में तिथियें किया जाता है तो तिथि-  
ज्ञक साप्तरीह दीर्घा के सदस्य के सम में उसका नाम सर्वत दर्ता  
करेगा और उसकी तात्त्व आधारम त्रिभिरुप ग्रामीण जीवन श्रीमा  
निराम ही संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ होते जाएं हैं तो नियोजित गारंटीक द्वेष अन्तिर्दृष्टि ने अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में शायदिन व्यवस्था भी विविध किया जाने की व्यक्तिस्था करते हैं। जिससे कि कर्मचारियों के लिए गारंटीक व्यापार स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक उन्नत कर दिया जा सकता है।

7 साम्प्रदायिक वीराम स्वतीय में निर्माण द्वारा तो होने हए भी यदि निर्माणी कर्मचारी की स्वता पर वह स्वतीय दे जानीक मंदरेय राजिया में कर्म है जो कर्मसागरी की अस दशा में मंदरेय होनी तत् वह उक्त स्वतीय के अधीन होता है निर्माण यारीनारी के निर्धारक वारिस/ नाम निर्दिशकातों के प्रतिवार हों जो दोनों राजियों के दण्डग्रन्थाङ्क द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा ।

१. तार्कार्यन्त शीर्षक रक्षणीय है ताकि विद्युतों ने नोट्स एवं मंडोलेज  
मंडोलेज शुद्धीकृत विद्युत आपातकता है पर्याप्त आपातकता है तो निम्ना  
लिखीं किया जायेगा और उसी किसी मंडोलेज से कर्मचारियों के विद्युत  
एवं विद्युत प्रभाव उड़ने की नम्मवाचन नहीं होती श्रीराम विद्युत विभाग  
आपातक अपना अपातकन बोने के पास आपातकियों को यथार्थ दिल  
देंगे। यहाँ विवरण दिया गया विवरण विवरण है।

७. एटिं किसी दारणावाली व्यापका के कर्मचारी भारतीय जीवन सीधे नियम को जीवी भारतीय वीपा गतिशील है, तिने यात्रा, पहले ही उपना उठाती है, जारी नहीं रखा जाता है या एक स्वीकृति के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी गति ग्राम हो जाए के बहुत ज्यादा ज्यादा है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजित उम्मीदवारीके कैमोटर भीतर वीआईपी का नियन्त्रण करने वाली एक सुरक्षातात्त्वाकारी दूसरी संस्था हो तो गंदाय करने से असफल रह जाता है और प्रतिकूली को व्यापत हाते दिया जाता है जो लाट रखदी जा सकती है।

11 दिवे जक दृताश ऐश्वर्य के राम में किए गए  
प्रतिक्रिया की देखा में उन मूर्त शशराम के नाम गिरवैरीश्वरी या  
विद्वित वारिमों के यादि यह शूट द दी गई तो उद्दत स्क्रीम  
के अन्तर्गत होते, दीपा नामों के राम का अवधारित नियोजक  
पार होता ।

12. उक्त स्थापना के मरम्मन्द में विधेयक इय स्कीम के अधीन आने वाली किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशित/विधिक वारिसों को वीमाकृत राशि का संदार्शन नहरता से और प्रत्येक दशा में भागीदार जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भागीदार जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि करेगा।

प. के. जैन

प्रियांक 6 अगस्त 1990

सं. 2/1959/झी. एल. आई./भाग-4/एक्ज़िक्यूटिव/89/  
 4359—जड़ां अन्मृती-1 से उपरिलिखित नियोक्ताओं ने (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कार्यालयी भविष्य  
 निर्धि और प्रकीर्ण उगलना अधिगियम, 1952 (1952 का 19)  
 की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत नाट के लिए आवेदन  
 फिरा है (जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त अधिगियम कहा गया  
 है)।

यांकि कोट्टीय भवित्व निर्मा तथा इस तात्त्व से गतिशील है तिक उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइ उलग अंशदात औ ऐसिया व्यक्ति अडागी निया गिया जीवन वीर्य से उस में भारतीय जीवन जीवन विश्वास वीर भारतीय वीप्ता स्वतीत १० लाख लक्ष तक है जो कि एक कर्मचारी व्यक्ति निया कर्मचारी नियोग गतिशील नीदा लाता । १९७० से ३ वर्षों स्वीकारी तात्त्वों से अधिक उत्तराल है (यहां दूरके उत्तराल गतीय कहा गया है) ।

आप: , उक्ता अधिकारियम की धारा 17 की जगहारा ? (क)  
 दूसरा उद्देश्य इक्विटी वा प्रोटोकॉल कार्य व्यापक तथा हमके माथ  
 नहीं आ जाता है तो उक्तीलिए उच्चतम् तो अन्याय ऐसी ही अनियत  
 गिरिधि आयुक्त ने प्रत्येक वो सामने उत्तिलिए गिरिधि तारीख से  
 प्रशादी चिल रिट्रिट से तबह स्थापित को ऐसी ही अनियत गिरिधि  
 आयुक्त, प. बंगाल ने स्कौम की धारा 28(7) के अंतर्भूत छील  
 प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कौम के  
 अन्याय की छील प्रदान कर दी गई है । -

## अनुसूची-1

क्र.म.०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छटकी प्रभावी निधि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० हिन्दुस्तान कैस एंड इन्डस्ट्रीज लि०, 22, न्यू टॉमरी मार्ग, कलकत्ता-700046।	उब्लू०बी०/1914 1627 11359	1-3-92 से 28-2-95 1-3-95 से 28-2-98 1-3-98 से 28-2-2001	16/77/99 डीएलआई
2.	मै० आई०बी०पी० क० लि०, बी०पी० हाउस, 34-ए, निर्मल अन्ना स्ट्रीट, कलकत्ता-700013।	उब्लू०बी०/3574	1-2-99 से 31-1-2002	16/78/99
3.	मै० प० बंगल स्टेट माइनर इंसिग्निशन कार्पोरेशन लि०, 5, मुस्ताक अहमद स्ट्रीट, कलकत्ता-700016।	उब्लू०बी०/14902	1-8-98 से 31-8-2001	16/79/99
4.	मै० कोथलिन कनफेक्शन्स, 12, फ्री स्कूल स्ट्रीट, कलकत्ता-700016।	उब्लू०बी०/22650	1-11-98 से 31-10-2001	16/80/99
5.	मै० दि प्रिन्सज, 121 फ्री स्कूल स्ट्रीट, कलकत्ता-700016।	उब्लू०बी०/22722	1-11-98 से 31-10-2001	16/81/99
6.	मै० कोथलिन कैटरसे, 2, यू०के० मार्ग, कलकत्ता-700028।	उब्लू०बी०/24420	1-11-98 से 31-10-2001	16/82/99
7.	मै० फरन्नी एक्सपोर्ट प्रा० लि०, 37, शेक्सपियर सरेन, कलकत्ता-700017।	उब्लू०बी०/27429	1-3-99 से 28-2-2002	16/83/99
8.	मै० कनवे एक्सट्रेसन लि०, 113, पार्क स्ट्रीट, एन, ब्लाक, द्वारी मंजिल, कलकत्ता-700016।	उब्लू०बी०/28271	1-1-97 से 31-12-99	16/84/99

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत को एसे विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त नियम की भारा 17 की उपभारा (2-क) के बाह्य के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रधासन में जिसके बन्दर्गत लेकाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, वीमा श्रीमित्यम का संदाय, लेकाओं का बंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यादों का इहत नियोजित द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा बन्दर्गत सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक भी और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति उथा कमिकारियों को बहु-संस्था भी भाषा में उसकी मर्मांशाओं का अन्वाद स्थापना की सूचना गत्ते पर प्रवर्द्धित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी भी भविष्य निर्धारण का उसका जीवनिवास के अन्तिम छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निर्धारण का दृष्टि ही सम्भव है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्थ के रूप में उसका नाम सुरक्षित बर्तन करेगा और उसकी बागत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबोध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध ज्ञान देखाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध जानी में सामूहिक रूप से विश्वित किए जाने की अवस्था करेगा, जिसमें एक कर्मचारियों के निए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जानी उपलब्ध जानी से अधिक अनुकूल है औ उक्त स्कीम के अधीन जनूर्णय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन रोदाय राशि से कम है तो कर्मचारी को उस बात में संदर्भ ही से जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता ही नियोजक कर्मचारी के विश्वित वारिस/नाम निवैशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संशोधन संबंधित वारिस भविष्य निर्धारण आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल अवश्य पड़ते की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त स्थपना अनुमोदन होने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विवरण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त जवाब देगा।

9. यदि किसी कारणबाट स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है कभी नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो स्कीम रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट उस नियन्त्रण तारीख के भीतर जिसे बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपात होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक इवारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की बात में उन मूल सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों को देख यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्वर्गीय होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सबस्थ की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक बात में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. पैम  
धर्मीय भविष्य निर्धारणकर्ता

#### अभ्यं भवालय

#### कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (केन्द्रीय कार्यालय)

14. भविष्य निधि भवन, भीकाजी कामा लेस,

नई दिल्ली-110066, दिनांक 20 सितम्बर 1999

सांका० 4371—चूकि मैं० अहमदाबाद मैन्यूफैक्चरिंग एण्ड कैलिको प्रिंटिंग कम्पनी लि०, आउट साईट जमालपुर गेट, अहमदाबाद (गुज०/279) को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिकार्यम, 1952 (1952 का 19) की धारा 172(क) के अस्तर्गत अधिसूचना जारी होने के बाद छूट प्रदान की गई थी।

और नियोक्ता ने 31-7-94 तक की मास्टर पोलिसी पुनः नवीनीकरण करालिया है और कर्मचारी निधेप सहबद्ध बीमा योजना को क्रियान्वयन हेतु वापिस कर दिया है।

उपरोक्त को देखते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने 1-8-94 से छूट रद्द कर दी है।

## भारतीय आयुष्मान परिषद्

## शुद्ध-पत्र

अधिनियम सं.	पृष्ठ सं.	कालम सं.	कालम सं.	कालम सं.
1. (3)	2798	11	18	"और" के स्थान पर "अथवा" पढ़ें।
3.	2799	1	38	रोमा-3 को इस प्रकार पढ़ा जाए— "फार्म तथा प्रक्रिया:—उपर्युक्त पद्धति तथा अर्हक मानदण्डों को पूरा करने की शर्त के अधीन आवेदक मेडिकल कार्लेज की स्थापना के लिए फार्म-1 में निम्नलिखित भागों में आवेदन प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—"
अनुसूची	2808	11	4	"केंद्रीय सरकार में आवेदन प्राप्ति" के स्थान पर "केंद्रीय सरकार से भारतीय आयुष्मान परिषद् द्वारा आवेदनों की प्राप्ति" पढ़ा जाए।

डा. (श्रीमति) एम. सच्चेदानन्द  
सचिव  
भारतीय आयुष्मान परिषद्

RESERVE BANK OF INDIA  
(CENTRAL OFFICE)  
(DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS & DEVELOPMENT)

CENTRE-1, WORLD TRADE CENTRE

Mumbai-400 005, the 25th September 1999

No. DBOD.IBS.517/23.13.022/99-2000.—In pursuance of clause (b) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs the exclusion from the Second Schedule to the said Act of the following :

"The British Bank of the Middle East"

G. P. MUNIAPPAN  
Executive Director

INDIAN OVERSEAS BANK  
PERSONNEL ADMINISTRATION DEPARTMENT

CENTRAL OFFICE, 763, ANNA SALAI

Chennai-600002, the 9th September 1999

No. PAD/SUP/177/—In exercise of the powers conferred by section 19, read with sub-section (2) of section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act 1970 (5 of 1970) the Board of Directors of Indian Overseas Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, further to amend Indian Overseas Bank (Officers') Service Regulations, 1979.

1. (1) These regulations may be called the Indian Overseas Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1999.

(2) Save as otherwise provided in these regulations, they shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Overseas Bank (Officers') Service Regulations, 1979,

(a) In regulation 12, after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

(4) any Officer,-

(a) who had exercised option referred to in sub-regulation (1), and

(b) who continued even after the first day of February, 1984 to draw pay and allowances applicable to him immediately before the appointed date; and

(c) who continues in regular services of the bank on or after the first day of April, 1997, may be allowed to opt for pay and allowances as applicable under these regulations on and from the first day of April, 1997. On exercising such option, he will be fitted on the pay in such a manner that the pay as set out in Regulation 4(2) alongwith the dearness allowance payable thereon as on 1-4-1997

is nearest to his existing salary (i.e. pay plus dearness allowance) being drawn in terms of sub regulation (2) on 31-3-1997.

(b) in regulation 23,

(i) after sub-regulation (iii), the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that on and from the first day of April, 1997, the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters, figures and words "Rs. 40 p.m. or Rs. 25 p.m." the letters, figures and words "Rs 125 per month or Rs. 100 per month" had been respectively substituted'.

(ii) after sub-regulation (iv), the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that on and from the first day of April, 1997 the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 150 p.m.", the letters, figures and words "Rs. 300 per month" had been substituted'.

(iii) in sub-regulation (v), after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that on and from the first day of April, 1997 the provisions of this sub-regulation shall have effect as if,—

(A) for the letters and figures "Rs. 700", the letters and figures "Rs. 1000" had been substituted;

(B) for the letters and figures "Rs. 350" occurring at both the places in first and second proviso, the letters and figures "Rs. 500" had been respectively substituted';

(iv) after sub-regulation (vii), the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that on and from the financial year 1997-98, the provisions of the sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 150/-" the letters and figures "Rs. 250/-" had been substituted'.

(v) after sub-regulation (viii), the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that on and from the first day of April, 1997 the provisions of this sub-regulation shall have effect as if for the letters and figures "Rs. 35 p.m.", the letters, words and figures "Rs. 70 per month" had been substituted'.

(c) in regulation 32, after sub-regulation (2), the following proviso shall be inserted, namely:—

'Provided that Casual Leave not availed of in the year 1997 or in any subsequent year may be suffixed or prefixed to sick leave in the following three years'.

(d) in regulation 42,—

(i) in sub-regulation 2(i), for the words and figures "on and from 1-7-1993", the words and figures "on and from 1-7-1993 but before 1-4-1997" shall be substituted;

(ii) after sub-regulation 2(i), the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

"2(i)(a) On and from the first day of April, 1997, an officer on transfer will be reimbursed his expenses for transporting his baggage by goods train upto the following limits:

Pay Range	Where an Officer has family	Where an Officer has no family
Rs. 4250 per month to Rs. 6210 per month	3000 Kgs.	1500 Kgs.
Rs. 6211 per month and above.	Full Wagon	2500 Kgs.

(iii) in sub-regulation (3), for the words and figures "on and from 1-1-1987", the words and figures "On and from 1-1-1987 but before 1-4-1997" shall be substituted;

(iv) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted:—

3(a) "On and from the first day of April, 1997 an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc;—

Grade	Lump sum
Top Executive and Senior Management	Rs. 3600
Middle Management and Junior Management	Rs. 4000

Foot Note : The amendments carried out earlier in the above Regulations were published in the Gazette of India vide Notifications Nos. with dates as per details given below;

SL. No.	Notification No.	Date
1.	31/SUP/97	12-01-88
2.	31/SUP/861	07-03-88
3.	31/SUP/2139	29-09-88
4.	PAD/177/3/88	09-12-89
5.	PAD/177/1/89	09-12-89
6.	PAD/177	05-03-94
7.	PAD/177	21-07-95
8.	PAD/177	17-08-96
9.	PAD/177	19-11-96
10.	PAD/177	12-05-99

B. SWAMINATHAN,  
General Manager

OFFICE OF THE ADMINISTRATOR  
PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cant, the September 1999

No. Wakf/42(2)/98/Vol. III—I.F.U Siddiqui, Administrator, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. in exercise of the Powers conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1995, hereby delegate the following powers to Syed Shahid Ali, Chief Executive Officer, Punjab Wakf Board with effect from 10th August, 1999 :

1. To examine the report of Wakf Commissioner and publish in the official Gazette the list of Wakfs as per Wakf Rules, 1964 framed under the Wakf Act.

2. To sue and defend cases on behalf of the Board in Civil Criminal and Revenue Courts and before any authority by engaging advocates for the same and to take proper legal steps concerning Wakf properties.

3. To institute and defend writ petitions, appeals, revisions review and execute applications in all Courts or before any authority.

4. To call for such return, statistics, accounts and other information from the Mutawallis in respect of Wakf properties as may be found necessary or as the Board may from time to time require.

5. To exercise powers and perform the functions of the Board to issue copies of the same on payment of the Wakf in disputed cases and in the maintenance of the Register of Wakf under Section of the Wakf Act, 1995.

6. To cause the registration of Wakf and to amend the Register of Wakfs under Section of the Wakf Act, 1995.

7. (a) To examine and sanction the Budget of Mutawalli whose income do not exceed Rs. 5,000/- per annum in each case.

(b) To pass order on audit report under Section 48(1) of the Wakf Act, 1995 of the Accounts of Wakfs whose income do not exceed Rs. 5,000/- per annum.

8. To convey the formal consent of the Board to any person or authority to institute a suit, to obtain any of the relief referred to in section 83 of the Wakf Act, 1995.

9. To deposit and withdraw the amounts required to be deposited or withdrawn according to law in respect of suits or proceedings instituted or defended by the Board.

10. To take necessary steps for the proper recording of Wakf properties by the authorities appointed by the Government for settlement and consolidation of holdings.

11. Subject to Regulations framed under Section 68 of the Wakf Act, 1954 read with section 110 and 112(2) of Wakf Act, 1995, to carry out the day to day administration of the office of the Wakf Board and to exercise the following powers :—

- (a) Approve tour programmes and sanction TA claims of all the employees of the Board.
- (b) Grant leave of all kinds to all the employees of the Board and sanction leave salary.
- (c) Fix and release salaries of all the employees in the sanctioned Pay Scales.
- (d) Sanction annual increments to the employees of the Board except Class-I & Class-II employees.
- (e) Sanction upto Rs. 5,000/- at a time on cost of petrol/Diesel, maintenance/servicing, Insurance and Registration of vehicle subject to availability of funds in the Budget.
- (f) Sanction upto Rs. 2,500/- on postage, furniture, books and newspapers, printing & stationery subject to availability of funds in the budget.
- (g) Sanction upto Rs. 5,000/- in any one case of maintenance of Wakf properties under Board's Management including mosques viz. Construction, white washing, repair and renovation subject to availability of funds in the Budget.
- (h) Sanction upto Rs. 1,000/- on non-recurring contingent expenses subject to availability of funds in the budget.
- (i) Sanction payment of Govt. dues, 7% contribution of the Punjab Wakf Board, printing charges of Notifications in Govt. Gazette, electricity and telephone bills.

(j) Accept quotations and tenders in respect of the total estimated value of articles work does not exceed Rs. 25,000/- and issue supply/work order.

(k) Issue supply/work order in case of purchase of articles where valuation of work does not exceed Rs. 25,000/-.

(l) Sanction charity upto Rs. 500/- in genuine cases subject to availability of funds in the budget.

(m) Sanction refunds (except lease money, earnest money and security of building contractor) upto Rs. 3,000/- in each case.

12. To sanction prescribed court fees and counsel fee upto Rs. 2,500/- in each case.

13. To sanction legal expenditure upto Rs. 2,500/- in each case.

14. To get the accounts of the Board as well as of those Wakfs which are under the direct management of the Board audited at the end of every financial year as laid down in the Wakf Act, 1995 and submit the audit report to the Administrator.

15. To order auction or sanction sales where the original purchase value of movable property or article does not exceed Rs. 10,000/-

16. To receive all the amount of compensation awarded by any authority in respect of any Wakf property.

17. To make orders of Transfers/Postings of Class IV employees,

18. To main ACRs of the employees upto the rank of Section Officer/Estate Officers and to submit to the Administrator at the end of financial year.

**Wak/45/Gen/Gazette/(306)/99**—In exercise of the power conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1995 which are accessible by me under the delegated power by the Administrator, Punjab Wakf Board under Section 40 of the Wakf Act, 1995 properties are hereby declared as Sunni Wakf.

Sr. No.	Name of Wakf	Distt. Tehsil	Village	Kh. No.	Area	Value in Rs.	Nature and object of Wakf	How the Wakf is Adminis- toral	Re- marks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	Graveyard	Rohtak	Hasan garh		B — B 1—16 8779 8794 8799 9826	3000.00 15000.00 100000.00 120000.00 300000.00		Under the Religious- Management of Punjab Wakf Board Ambala Cantt.	Sunni Wakf
2.	Khanqah	Nawansha her	Barnala Kalan (135)	North South East West	76-house of Ratan Singh 76-0 street 61-0 street 61-0 street	150,000.00	Do.	Do.	
3.	Do.	Hissar	Balawas	134	13-12	100000.00	Do.	Do.	
4.	Do.	Rewari	Rewari	289 min 289 min	1-8 2-9	10,000.00 20,000.00	Do. Do.	Do. Do.	
5.	Masjid Taur	Jalandhar Phillaur	Apya (181)	Kh. No. 84 min North— East— East— West— South—		100000.00	Do.	Do.	
					Bazar Road Road to Mandi Private Land Masjid				

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
6.	Graveyard	Amritsar	Qila Jiwani Singh	61	K—M 2—6	100000.00	Religious	Under the management of Panjab Wakf Board, Ambala Cantt.	Sunni Wakf
7.	Khanqah	Amritsar	Kot Mohamad Khan (314)	29/9/2 10/2 11/2 12/1 12/2 19 20/1 130 131 132 133	1—6 0—16 2—18 0—8 1—16 6—3 3—7 1—10 3—05 1—7 0—16	12,50,000.00	Do.	Do.	
					23—12				
8.	Graveyard	Amritsar	Bahmani Pati	69 70 34/26	8—1 1—4 11—14	200000.00 5000.00 300000.00			
9.	Graveyard	Amritsar	Kakar Ajanala	70 71 min	K3—8M K0—16M	20,000.00	Do.	Do.	
10.	Do.	Karnal	Kailash	65 66 67	4—12 4—02 0—19	100000.00	Do.	Do.	Do.
11.	Mazar	Gurgaon	Nizam Pur	26/3 4/1	7—4 4—3	3,00000.00	Do.	Do.	Do.
12.	Graveyard	Ludhiana	Payal	509/1 1372 1498 1520 1521	1—18 6—5 5—14 4—13 5—13	2,00,000.00 6,00,000.00 5,00,000.00 4,00,000.00 5,00,000.00	Do. Do. Do. Do. Do.	Under the management of Panjab Wakf Board	Do.
		Ludhiana	Malikpur Khanna (208)	25 20/2/2 21 1/2	2—19	3,00,000.00	Do.	Do.	Do.
13.	Do.	Amritsar	Gohal-Trantaran	930	20—0	6,50,000.00	Do.	Do.	Do.
14.	Do.	Ropar	Murinda	791	3—0	2,00,000.00	Do.	Do.	Do.

## Note :

1. Sr. No. 1 Graveyard according to Jamabandi, 1879
2. Sr. No. 2 Khanqah according to Jamabandi, 1994-95
3. Sr. No. 3 Graveyard according to Jamabandi, 1996-97
4. Sr. No. 4 Graveyard according to Jamabandi, 1965-66
5. Sr. No. 5 Mosque per Register Mabant and Taur
6. Sr. No. 6 Graveyard according to the Khasra Girdawari 1995-97
7. Sr. No. 7 Khanqah according to the Jamabandi 1968-69 and Proceeding committee consolidation
8. Sr. No. 8 Graveyard accordingly to the Khasra Girdawari 1996-97
9. Sr. No. 9 Graveyard accordingly to the Jamabandi year 1994-95
10. Sr. No. 10 Graveyard accordingly to the Jamabandi year 1973-74
11. Sr. No. 11 Mazar accordingly to the Jamabandi year 1994-95
12. Sr. No. 12 Graveyard accordingly to the Jamabandi year 1959-60 and Panchayat Register
13. Sr. No. 13 Graveyard accordingly to the Jamabandi year 1997-98
14. Sr. No. 14 Graveyard accordingly to the Jamabandi year 1951

**EMPLOYEES' STATE INSURANCE  
CORPORATION**

New Delhi, the 14th September, 1999

No. U-16/53/98-Med.II (A.P.)—In pursuance of the Resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) date 23-5-1983, I hereby authorise Dr. M. Shyam Sunder Roa to function as Medical authority for Hyderabad Centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. 17-1-99 to 16-1-2000 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (SEZ) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH.  
Medical Commissioner

No. N-15/13/12/1/95-P&D—In Pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees, State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st October, 1999 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Rajasthan Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Rajasthan namely

"Areas comprising the revenue villages Kanota, Dayarampura, Mangarh Khokhawala, Vijaymukundpura aillas Hirawala, Kunthana-Kalan & Kuntharakhurd in Tehsil Bassi, Naila in Tehsil Jamua Ramgarh, Lakhesra in Tehsil Sanganer and Vijaipura and Bagrana in Tehsil and District Jaipur"

G.L. Kapoor  
Director (P & D)

The 29th September, 1999

**AMENDMENT**

No. A-12(11)-1/94-DM(HQ).—The words "Senior Operation Technician with 5 years regular service in the Grade" appearing in Column 13 under sub-head promotion, published in Part-III Section 4 of Gazette of India No. 32 dated 7th August, 1999 vide Notification No. A-12(11)-1/94-DM(HQ) dated 07-08-1999 may be substituted by the words "Senior Operation Theatre Technician/Senior CSSD/CSR Technician with 5 years regular service in the Grade".

A. M. NIMBALKAR  
Director General

**REGIONAL OFFICE, ESI CORPORATION,  
PANCHDEEP BHAWAN, SECTOR 19-A,**

Chandigarh, the 16th September 1999

No. 19-V-34/13/1/95/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, J & K has constituted the local Committee consisting of the following members for Kathua area (where Chapter IV & V of the E.S.I. Act, 1948 are already in force) with effect from the date of notification,

Chairman

Under Regulation 10-A (1) (a)

1. Labour Commissioner J & K/  
Dy. Labour Commissioner ESI, J & K.
2. Members

Under Regulation 10-A (1) (b)

2. Dy. Secretary to Govt of J & K,  
Labour Department

Under Regulation 10-A (1) (c)

3. Medical Officer Incharge,  
ESI Dispensary, Kathua,  
Under Regulation 10-A (1) (d)

4. Sh. D. R. Bhatia  
Bharat Small arms,  
Kathua.

5. Sh. K. C. Sharma,  
Senior Vice President,  
M/s. Chenab Textile Mills,  
Kathua.

Under Regulation 10-A (1) (e)

6. Sh. Ashraf Ahmed  
Chenab Textile Mills,  
Kathua.

7. Sh. Uttam Chand,  
Chenab Textile Mills,  
Kathua.

8. Sh. Babu Singh,  
H. P. Gas Agency,  
Kathua.

Under Regulation 10-A (1) (f)

9. The Managers, Local Office,  
ESI Corporation, Pathankot,

Member Secretary  
By Order

B. C. BHARDWAJ  
Regional Director

No. 19.V.34/13/1/95/Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950, the Chairman, Regional Board, J & K has constituted the Local Committee consisting of the following members for Jammu area (where Chapter IV & V of the ESI Act, 1948 are already in force) with effect from the date of Notification.

**Chairman**

1. Under Regulation 10-A (1) (a)  
Labour Commissioner J & K/  
Dy. Labour Commissioner,  
J & K

**Members**

2. Under Regulation 10-A (1) (b)

Dy. Secretary to Govt of J & K  
(Labour Department)]

3. Under Regulation 10-A (1) (c)

(i) Medical Officer Incharge,  
ESI Dispensary, Bakshi Nagar,  
Jammu.

(ii) Medical Officer Incharge,  
ESI Dispensary, Gigiane,  
Jammu.

(iii) Medical Officer Incharge,  
ESI Dispensary, Bari Brahma,  
Jammu.

4. Under Regulation 10-A(1)(d)  
Sh. Shanti Kumar Ahal,  
Manager, M/s R.B. Jodhamal & company Ltd.  
Canal Road, Jammu-180001.

5. Sh. Bhuwan Kumar Gupta,  
Manager, M/s K.C. plywood Industries,  
Akhnoor Road, Muthi, Jammu.

6. Sh. Kuldeep Dogra,  
President Small Scale Industries,  
19, Industrial Estate, Digiana,  
Jammu.

7. Sh. Surinder pal Singh,  
Director Bari Brahaman Industries,  
Association, M/s Nayyar Electrodes Ltd.,  
Bari Brahma, Jammu-181133  
Under Regulation 10-A (1) (e)

8. Sh. Karn Singh, Secretary  
Bhilwara Workers' Union,  
Bari Brahaman, Jammu.

9. Sh. Masood Ahmed Andrabi,  
President, State Central Labour Union.

10. Sh. Rabinder Singh,  
President, INTUC.

11. Sh. Mohammed Yousuf Bhat,  
AITUC  
Under Regulation 10-A (1) (f)

12. The Manager, Member Secy  
Local Office,  
ESI Dispensary,  
Jammu.

B. C. BHARDWAJ  
Regional Director

**MINISTRY OF LABOUR**

**EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION**  
(CENTRAL OFFICE)

New Dehli-110066, the 14th September 1999

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4271.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the Said Act).

And Whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefit under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE II

Sl. No.	Name & address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Hindustan Motors Ltd. P. O. Hindmotors Distt Hooghly. West Bengal	WB/370	2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I dt. 8-7-97	16-12-98	17-12-98 to 16-12-2001	2/873/83/DLI
2.	M/s Bijoli Cinema 35, S. P. Mukherjee Road Calcutta-700025	WB/3673	D.S.	31-10-97	1-11-97 to 31-10-2000	2/2335/89/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 15th September 1999

No. 2/1959/DLI/Exem.89/Pt. I/4279.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. of & Date of Govt. Notification vide which Exem- ption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1	M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd. Fibres Unit, Post Box No. 18 Kosimbri, 394120, Distt. Surat (Gujarat)	GJ/5238/B	2/1/959/DLI/Exem/ 89 Pt. I/36013 dated 2-1-99	31-5-99	1-6-99 to 31-5-2002	2/5326/93/DLI
2.	M/s. Shree Rajkot Lodhika Sahakari Kharid Vechan Sagh Ltd., Sihupar Triveni, 29/38 Karanpura, Behind Bus Station Rajkot-360001 (India)	GJ/5673	Do. dated 9-4-99	30-9-97	1-10-97 to 30-9-2000	2/4506/92/DLI
3	M/s Castomate Pvt. Ltd., Mitesh Maydi Plot, Rajkot-360004	GJ/7598	Do dated 22-11-1997	30-5-98	1-6-98 to 30-5-2001	2/3783/91/DLI
4	M/s Schut Carbon Electrodes Pvt. Ltd. 43/1, GIDC Estate Kalol-382721	GJ/11351	Do dated 13-5-1991	31-1-92	1-2-92 to 31-1-95 1-2-1995 to 31-1-98 1-2-1998 to 31-1-2001	2/3434/91/DLI
5	M/s Diamond Crucible Pvt. Ltd., 212/C, GIDC Estate, Mehsana (Gujarat)	GJ/14744/A	Do dated 26-10-97	31-5-998	1-6-98 to 31-5-2001	2/3325/90/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4290.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I

(hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2 (A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

#### SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
01.	M/s. Welder Enterprises, Dhebarbhai Road, (South) Rajkot-360002	GJ/11353	01-07-1997 to 30-06-2000	4 (146) 99/DLI
02.	M/s. Ex-Protacta 303/306 GIDC Vithal Udyog Nagar, V. V. Nagar-388121.	GJ/12333	01-03-1996 to 28-02-1999	4 (151) 99/DLI
03.	M/s. Jamnagar Rajkot Gramin Bank, Milan Chamber, Khodiyar Colony Jamnagar. (Along with its branches).	GJ/11941	01-09-1997 to 31-08-2000	4 (147) 99/DLI
04.	M/s. Vilco Laboratories Pvt. Ltd., 290 Chitra, Bhavnagar-364004.	GJ/14544	01-08-1997 to 31-07-2000	4 (148) 99/DLI
05.	M/s. John Oil and Gas Ltd., 220/GIDC Estate, Mehsana-384002 (NG)	GJ/16676-B	01-02-1998 to 31-01-2001	4 (149) 99/DLI
06.	M/s. Vandina Tex Dyes, 2002/3, GIDC, Ankleshwar-393002.	GJ/18625	01-04-1999 to 31-03-2002	4 (150) 99/DLI
07.	M/s. Ex-Cendaca 420, IVth Phase, GIDC Vithal Udyog, Nagar, V. V. Nagar, 388121 Distt. Kaira, Gujarat.	GJ/16719	01-03-1996 to 28-02-1999	4 (152) 99/DLI

#### SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee (s)/legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the

said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4303.—WHEREAS the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
01.	M/s. Shri Prakash Industries, Enikapudu P.O. Via Ramavaram, Apydu-521108.	AP/16512	01-08-1997 to 31-07-2000	1—97—99/EDLI
02.	M/s. Vijnan Vihara English Medium School, Scty: Narayangudem, Vijaywada.	AP/16554	01-03-1997 to 29-02-2000	1—101—99/EDLI
03.	M/s. Natco Pharma Ltd., Natco House, Road No. 2, Benjara Hills, Hyderabad-500032.	AP/16328	1-12-87 to 30-11-90 01-12-1990 to 30-11-1993 01-12-1993 to 30-11-1996 01-12-1996 to 30-11-1999	1—100—99/EDLI
04.	M/s. Balaji Hatcheries, 4-2028, Durga Nagar, Greanpet Chottoor Andhra Pradesh-517002	AP/11617	01-10-1995 to 30-09-1998 01-10-1998 to 3-09-2001	1—99—99/EDLI
05.	M/s. Sadineni Chowdiah Residential Public School, Chilakaluripet Guntur (A. P.)	AP/16609	01-03-1995 to 28-02-1998 01-03-1998 to 28-02-2001	1—98—99/EDLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/4314.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra from the operation of the said Scheme for a of 3 (three) years.

## SCHEDULE-I

Sl No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P. F. C's. File No.
01.	M/s. Cimbink Investment Management Services Ltd., Orient House, Adi Marzban Road, Mumbai 38.	MH/40208	01-03-1998 to 28-02-2001	9/58/98/DLI
02.	M/s. Reliance Petroleum Ltd., RPL House, 3rd Floor, Waghchand Hirachand Marg, Mumbai 400001.	MH/41261	1-8-96 to 31-07-1999	9/45/98/DLI
03.	M/s. ACC Nichon Casting Ltd., A 1/2, Bilibori Industrial Area, Vill Ruikhari, MIDC Bilibori, Distt. Nagpur-441108.	MH/61873	01-07-1997 to 30-06-2000	9/57/98/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2 (A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

The 17th September 1999

\* No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/4323.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(B) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Noms & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
01.	M/s. Precision Seal Mfg. Ltd., Block S, Plot No. 156, Behind Century Enka Ltd., MIDC, Bhosari, Pune-411026	MH/22103-A	01-12-1997 to 30-11-2000	9(60)99/DLI

1	2	3	4	5
02.	M/s. Intervale (India) Ltd., 212/23, Hadapsar Pune-411028	MH/30940	01-08-1998 to 31-07-2001	9(61)99/DLI
03.	M/s ELO Matic (India) Ltd., 2961, A/1/S, St. Patricks Town, Hedapsar, Pune 411013	MH/30943	01-08-1998 to 31-07-2001	9(62)99/DLI
04.	M/s. Mercedes Benz India Ltd., Sector 15 A, Chikhali Village Pimpri, Pune-411018	MH/32162	01-04-1999 to 31-03-2002	9(63)99/DLI
05.	M/s. Jaldoot Material Handling Pvt. Ltd., J. 83, MIDC, Bhosari, Pune-411026	MH/31096	01-08-1997 to 31-07-2000	9(64)99/DLI
06.	M/s Vidarbha Iron and Steel Corp. Ltd. 46 A & B, MIDC Area, Hinga Road, Nagpur-440028	MH/16564	01-07-1995 to 30-06-1998 01-07-1998 to 30-06-2001	9(65)99/DLI
07.	M/s. Ashutosh Casting Ltd., F/8, MIDC Industrial Area, Hing Road, Nagpur-440016.	MH/24323	01-07-1998 to 30-06-2001	9(66)99/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s), legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the Employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4336.—Whereas the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madras from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's. File No.
01.	M/s. Vidya Mandir (Adyar) Secondary School, 4th Main Road, Gandhi Nagar, Chennai-600020.	TN/23214	01-03-1991 to 29-02-1994 01-03-1994 to 28-02-1997	14(123)95/DLI
02.	M/s. White House Process (Pvt) Ltd., No. 1096, E. V. R. Periyar Road, Periamet, Chennai-600003	TN/30890	01-11-1998 to 31-10-2001	14(640)99/DLI
03.	M/s. Tanmay Computer and Software Pvt. Ltd., 942, Poonamallee Highlie Road, Chennai-84.	TN/31079	01-06-1994 to 31-05-1997 01-06-1997 to 31-05-2000	14(610)99/DLI
04.	M/s. Fine Point Industries (Pvt.) Ltd., 31/2-A, Part Kizhipattur Village, Padur (P. O.) Kanchipuram Distt.-603103.	TN/31487	01-07-1998 to 30-06-2001	16(641)99/DLI
05.	M/s. Swift/Spinning (Madras) Pvt. Ltd., Room No. 4 & 5, S. M. Plaza, No. 45, Armenian Street, Chennai-600001	TN/31897	01-07-1998 to 30-06-2001	16(642)99/DLI
06.	M/s. Bakke Durr and Wabag Technologies Ltd., No. 6, Murrays Gate Road, Alwerpet, Chennai-600018.	TN/31934	01-08-1997 to 31-07-2000	16(643)99/DLI
07.	M/s. Chrompet Saswatha Nidhi Ltd., Ram Krishan Street, Raghava Nagar, Chrompet, Chennai-600044	TN/31993	01-08-1998 to 31-07-2001	16(644)99/DLI
08.	M/s. White House Cotton Industries Ltd., S. No. 1, Kallambakkam Village, Vedathagal Road, Madurantakkam, Chennai MGR Distt.	TN/39151	01-01-1999 to 31-12-2001	16(645)99/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4349.—Whereas the Employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have

applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour, C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II Annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-II

S No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Century Rayon, P. B No. 22, Shabud, Thane-421103	MH/1616	S-35014/14/87/SS-II dated 29-1-87	28-1-89	29-1-89 to 28-1-1992 29-1-1992 to 28-1-1995 29-1-1995 to 28-1-98 29-1-98 to 28-1-2001	2/36/76/DLI
2.	M/s. Cable Corporation of India , Lakshmi Building, 6. Shoorji Vih. Bhadas Marg, Ballard Estate, Mumbai-400001.	MH/5507	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt I dt. 19-1-93	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002	2/813/MH/83/ DLI
3.	M/s Hawains Cooker Ltd., Marker Tower F-101, Cuffe Parade, Mumbai-400005	MH/6333	dt. 11-6-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	2/889/83/DLI
4.	M/s Carbon Everflow Ltd , Bakhatwar, 2nd Floor, Niriman Point, Mumbai-400021	MH/19795	dt. 11-7-91	23-12-92	24-12-92 to 23-12-95 24-12-1995 to 23-12-1998 24-12-1998 to 23-12-2001	2/764/82/DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

The 20th September 1999

No. 2/1999/DLI/Exemp./89/Pt. I/4359.—Whereas the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (10 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(2) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-1

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Hindustan Gas and Industries Ltd., 22, New Tangra Road, Calcutta-700016.	WB/1914, 1627, 11359	1-3-92 to 28-2-95 1-3-95 to 28-2-98 1-3-98 to 28-2-2001	16(77)99/DLI
2.	M/s. IBP Co. Ltd., IBP House, 34 A, Nirmal Chandra Street, Calcutta-700013.	WB/3574	1-2-99 to 31-1-2002 1-9-98 to	16(78)99/DLI
3.	M/s. West Bengal State Minor Irrigation Corpn. Ltd., 5, Mastaque Ahmed Street, Calcutta-700016.	WB/14902	31-8-2001	16(79)99/DLI
4.	M/s. Kothleen Confectioners, 12, Free School Street, Calcutta-700016.	WB/22650	1-11-98 to 31-10-2001	16(80)99/DLI

1	2	3	4	5
5.	M/s. The Princess 12 Free School Street, Calcutta-700016	WB/22722	1-11-98 to 31-10-2001	16(81)99/DLI
6.	M/s. Kautleen Cateress 24. K. Datta Road Calcutta-700028	WB/24420	1-11-98 to 31-10-2001	16(82)99/DLI
7.	M/s. Fareinni Exports Pvt. Ltd., 37, Shakespeare Sarain, Calcutta-700017	WB/27429	1-3-99 to 28.2.2002	16(83)99/DLI
8.	M/s. Cenwex Extrusion Ltd., 113, Park Street, N. Block, 2nd Floor, Calcutta-700016	WB/28271	1-1-97 to 31-12-99	16(84)99/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

No. 2/644/82/DLJ/4371/Whereas M/s. Ahmedabad Manufacturing & Calico printing Co. Ltd., Outside Jamalpur Gate, Ahmedabad. Code No. GJ/279 was granted exemption/ extension of exemption under section 17(2A) of the EPF & MP Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the employer renewed the master policy upto 31-7-94 and reverted back to implementing E.D.L.I. Scheme.

In view of the above, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER has cancelled the above said exemption w.e.f. 1-8-94.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employee.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

A. K. JAIN  
Regional Provident Fund Commissioner

F. No. MCI- 4(41)/98-Med./

## MEDICAL COUNCIL OF INDIA

*Corrigendum*

Regulation No.	Page No.	Column No.	Line No.	
1. (3)	2901	II <sup>nd</sup>	23	for "and" read "or"
3	2902	I <sup>st</sup>	37	for "to" read "for"
Part III (3)(f)	2903	1 <sup>st</sup>	33	add "soil" before the word "conditions"
4	2903	II <sup>nd</sup>	36	for the heading "REGISTRATION" read "REGISTRATION"
7(3)	2904	I <sup>st</sup>	19	for "as" read "has"
FORM-2 last para	2908	II <sup>nd</sup>	31	for the words "the State Govt. shall take back the responsibility of the students read "the State Govt. shall take over the responsibility of the students".
FORM-3	2908	II <sup>nd</sup>	44	for the word "principle" read "principal"
SCHEDULE	2910	I <sup>st</sup>	23-24	for "2. Receipt of Applications by the from Central Govt." read "2. Receipt of applications by the Medical Council of India from Central Govt."

(DR. M. SACHDEVA

Secretary

Medical Council of India.